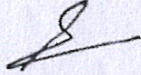




( 2 )

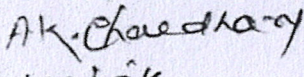
में वह भी प्रमाणित करता है कि उपरोक्त संव्यवहारों और अवधारों को छोड़, उक्त संपत्ति को प्रयात्न करनेवाले, किसी अन्य संव्यवहार और अवधार का पता नहीं चला है।

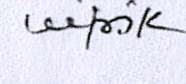
निम्न व्यक्ति ने तलाशी को और प्रमाण-पत्र तैयार किया :-

( हस्ताक्षर ) :- 

( पदनाम ) :- लिपिक

तलाशी की सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जांच निम्न व्यक्ति ने की

( हस्ताक्षर ) :- 

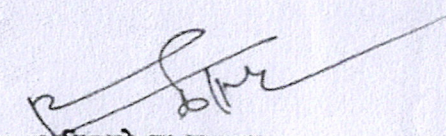
( पदनाम ) :- 

कार्यालय जिला निबंधन कार्यालय

सारोख



निबंधन प्रदाधिकारी का हस्ताक्षर

  
6/12/2022

टिप्पणी (१)-इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवधार दिखाये गये हैं, वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किसी इन्हीं संपत्तियों की निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसे दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

(२) निबंधन अधिनियम की धारा ५७ के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रतियाँ देखना चाहते हों, जयवा जो उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अवधारों के प्रमाण-पत्रों को अवरुध हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विनाह फीस का भुगतान करने पर बहियों और अनुक्रमणियों उनके सामने रख दी जायगी।

(३) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलाशी अपने भरकस सावधानी से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण-पत्र में दिये तलाशी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(४) और चूंकि वर्तमान मामले से आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारे दूटे गये गये संव्यवहारों और अवधारों का सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा न दूटे गये ऐसे संव्यवहारों और अवधारों को छूट के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

अजित कुमार के शीर्ष, तलाशी  
आवेदक एवं अवधार के उक्त का प्रमाण पत्र दे के के 34218  
10 EC दिनांक 17